अनुसूची 21– प्रपत्र संख्या – 1131

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण–पत्र सं० 1208 19 । आवेदन सं० 1913 19

चूंकि श्री मति मनोरमा देवी ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के सम्बन्ध के निबन्धित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाय.

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही 1 में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों से ता० 31-1-74 19 से ता० 31-5-1? तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला है :–

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दास्तावेज की प्रति के प्रति विदेन		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
मौजा	जगनपुर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]			
थाना	रामकृष्णनगर 355		164	1100	03 [illegible]			
जिला	पटना							
थाना नं०	26							

(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 1. बंधक–पत्र की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में ....

2. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

For Sri Maleshw[illegible] [illegible]uctions

Managing Partner

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहार और अवभारों को छोड़, उक्त सम्पति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाशी की और प्रमाण-पत्र तयार किया :-

(हस्ताक्षर) - हरि नारायण पासवान

(पदनाम) - लि०

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर) - [illegible]

(पदनाम) - [illegible]

कार्यालय - अ० नि० कार्यालय फुलवारी शरीफ

तारीख - 31-5-17

मुहर।

निबन्धन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
31-5-17

टिप्पणी - इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपति विवरण के अनुसार पाये गये है; यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं संपत्तियों को निबन्धित दस्तावेजों मे दिखाया गया हो तो वैसे दस्तावेजो से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शान्स) इस प्रमाण-पत्र मे शामिल न किये जायेगें।

(1) निबन्धन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियां देखना चाहते हों अथवा जो उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट सपत्तियों वो अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायगी।

(क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अ[illegible] न तलाशी अपने भरसक सावधानी से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण-पत्र में दिये गये तलाशी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा [illegible] गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है। इसलिए [illegible] आवेदक द्वारा न ढुंढे गये एसे संव्यवहारो और अवभारो को छूट के लिए किसी भी तरह जि[illegible]र न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

ज्ञापांक :- 1270 दिनांक :- 31-5-17

प्रतिलिपि :- शाखा प्रबंधक आर्यावर्त ग्रामीण बैंक, आर. ई. सी. पी. सी. पटना को प्रेषित।

नि० प०
31-5-17

For Sri Mateshwari Constructions

अनुसूची 21– प्रपत्र संख्या – 1131

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र सं० 1209 19 आवेदन सं० 1914 19

चूंकि श्री अरुणा सिंह ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के सम्बन्ध के निबन्धित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाय

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही I में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों से ता० 3-1-14 19 से ता० 31-5-17 19 तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला है :–

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रति के प्रति विदेन		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
मौजा	जगनपुरा	मौजा नं०	खाता नं०	खेसरा नं०	किस्म			
थाना	रामकृष्णानगर	355	164	1100	07 डी०			
जिला	पटना							
थाना नं०	26							

(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 1 बंधक-पत्र की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में ....

2 पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

For Sri Mateshwari Constructions

Managing Partner

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहार और अभारों को छोड़, उक्त सम्पति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सव्यवहार और अभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की ओर प्रमाण–पत्र तयार किया :-

(हस्ताक्षर) - हरि नारायण पासवान

(पदनाम) - लि०

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण–पत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर) - [illegible]

(पदनाम) - [illegible]

कार्यालय - उ० लि० निबंधन कार्यालय फुलवारी शरीफ

तारीख - 31-5-17

निबन्धन कार्यालय, फुलवारी शरीफ, पटना

निबन्धन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

31-5-17

टिप्पणी – इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अभार दिखाये गये हैं वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपति विवरण के अनुसार पाये गये है : यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं संपत्तियों को निबन्धित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसे दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शान्स) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

(1) निबन्धन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियां देखना चाहते हों अथवा जो उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायगी।

(क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अ[illegible] तलाशी अपने भरसक सावधानी से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण–पत्र में दिये गये तलाशी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा [illegible] गये सव्यवहारों और अभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण–पत्र में दिया गया है। इसलिए [illegible] आवेदक द्वारा न ढूंढे गये एसे संव्यवहारों और अभारो की छूट के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

ज्ञापांक :- 1271 दिनांक :- 31-5-17

प्रतिलिपि :- शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक आर० एन० सी० सी० पी० पटना को प्रेषित।

अवर नि० प०

31-5-17

For Sri Mateshwari Constructions

Managing Partner